प्रेस विज्ञप्ति / Press Release **22 मार्च / March, 2021**

सिडबी द्वारा सूक्ष्म और लघु उद्यमों की क्षमता बढ़ाने और उनके विकास के लिए नए क्षितिज खोलने के उद्देश्य से प्रेरित ई-उद्यम संज्ञान का आयोजन

SIDBI organizing E-Udyam Sangyan for Micro and Small Enterprises aiming to enhance their capability and open new horizons for growth

सूक्ष्म,लघु व मध्यम उद्यमों के प्रचार, वित्तपोषण और विकास में संलग्न प्रमुख वित्तीय संस्थान भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक, सूक्ष्म,लघु उद्यमों (MSE) के लिए ई-उद्यम संज्ञान (वेबिनार) का आयोजन कर रहा है। वेबिनार की संकल्पना इस प्रकार की गई है कि उन्हें नए युग के डिजिटल प्लेटफॉर्म ट्रेड रिसीवल्स डिस्काउंटिंग सिस्टम (ट्रेड्स), गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस के बारे में जानकारी दी जा सके। इसके साथ-साथ मध्यम और बड़े उद्यमों के प्रतिनिधियों के साथ अनुभवपरक सत्र एवं क्षेत्र विशेष पर केंद्रित ज्ञान, नैगम अभिशासन, अच्छी प्रथाओं के बारे में जानकारी दी जायेगी, ताकि वे अपनी कार्यनिष्पादन क्षमता में अभीष्टतम वृद्धि कर सकें।

Small Industries Development Bank of India (SIDBI), the principal financial institution engaged in the promotion, financing and development of Micro, Small & Medium Enterprises (MSMEs), is organizing E- Udyam Sangyan (webinar) for Micro & Small Enterprises (MSEs). The webinars are designed to inform them about new age digital platforms of Trade Receivables Discounting System (TReDS), Government e-Marketplace (GeM) along with exposure session from representatives of medium and large enterprises on domain knowledge, corporate governance, good practices, how to raise performance bar etc.

सिडबी के उप प्रबंध निदेशक श्री वी. सत्य वेंकट राव ने कहा, "मौजूदा उद्यमों की आवश्यकताओं को समझते हुए, उनके सपनों को साकार करने के लिए मिशन स्वावलंबन के अंतर्गत प्रमुख पहल के तहत, उद्यम संज्ञान को प्रवर्तन किया गया है। क्रॉस-लर्निंग एक्सपोज़र के माध्यम से, हम निकष को और अधिक व्यापक बनाने और वृहद चिंतन हेतु एमएसई को प्रोत्साहित और प्रेरित कर रहे हैं। ऐसे चुनौतीपूर्ण समय में सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम इकाइयों के लिए इन शिक्षण-सत्रों से लाभ उठाना अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है"।

"Shri V. Satya Venkata Rao, Deputy Managing Director (DMD) of SIDBI said, "Realising the need for existing enterprises to step up their dreams by imbibing good practices, E-Udyam

Sangyan has been started by us as one of the key initiatives under umbrella Mission Swavalamban Under Udyam Sangyan series. Through cross learning exposures, we have been encouraging and motivating MSE to raise the bar and think big. During these challenging times it becomes much more important for MSMEs to gain from these learning sessions."

कोविड-19 की महामारी ने व्यवसाय के विन्यास में मौलिक परिवर्तन कर दिया है और इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफ़ॉर्म ही अब भविष्य की व्यावसायिक संभावनाओं को परिभाषित करेंगे। वित्तवर्ष 21 में नए युग के व्यवसायिक मंचों के विषय में एमएसई इकाइयों को 18 फरवरी, 2021 से मार्गदर्शी सेवाओं का प्रवर्तन करते हुए, सिडबी ने अपने चंडीगढ़, नई दिल्ली, जयपुर, अहमदाबाद, लखनऊ, पुणे, हैदराबाद, चेन्नई और गुवाहाटी क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से राष्ट्र भर में 18 ई-उदयम संज्ञान आयोजित करने का लक्ष्य रखा है। 11 ऐसे वेबिनार पहले ही संपन्न हो चुके हैं और ऐसे शेष आयोजन प्रक्रियागत हैं। इनमें से प्रत्येक वेबिनार में सूक्ष्म लघु इकाईयां बड़ी संख्या में प्रतिभागिता कर रही हैं और इनसे प्राप्त लाभों के संबंध में सकारात्मक प्रतिसाद प्राप्त हो रहे हैं।

COVID-19 pandemic has brought in a fundamental change in the way business are carried out and electronic platforms shall define the future business prospects. Handholding the MSEs to new age platforms in FY21, beginning February 18, 2021, SIDBI has targeted 18 E-Udyam Sangyan across the nation through its regional offices viz. Chandigarh, New Delhi, Jaipur, Ahmedabad, Lucknow, Pune, Hyderabad, Chennai and Guwahati. 11 such webinars have already been concluded, and rest are underway. In each of these webinars MSEs are participating in good numbers and giving positive feedback about its benefits.

सिडबी ने चार स्तंभों पर अपनी संवर्धन एवं विकासपरक गतिविधियों की आधारशिला रखी है: -संपर्क - अनुप्रेरक यात्राओं के लिए आकांक्षी व्यक्तियों से "जुड़ाव", संवाद - विभिन्न हितधारकों के बीच संबंधों को सुदृढ़ बनाने के लिए "संवाद की स्थिति", सुरक्षा - उद्यमों के इर्द-गिर्द अनुकूल सुरक्षा-चक्र तैयार किया जाना और संप्रेषण - नीति निर्माताओं और सूक्ष्म लघु उद्यम क्षेत्र के उद्यमियों के साथ "रचनात्मक विचारविमर्श"। वित्तवर्ष 19 से बैंक ने सूक्ष्म लघु उद्यम क्षेत्र के उद्यमियों के लिए 50 ज्ञानपरक भ्रमण (एक्सपोज़र विजिट) का आयोजन किया है, जिसमें 1,200 से अधिक सूक्ष्म लघु उद्यमियों ने प्रतिभागिता की है। इन यात्राओं में एमएसई उद्यमियों ने अपने संबंधित क्षेत्र में मध्यम और वृहद उद्यमों द्वारा अपनाई जाने वाली अच्छी प्रथाओं के बारे में ज्ञान प्राप्त किए और अपने उद्यमों की मध्यम और वृहद उद्यमों की अपेक्षाओं के अनुरूप तैयारी हेतु यथेष्ठ अनुभव प्राप्त किए। इन यात्राओं में हथकरघा विनिर्माण समूह, वस्त्र उद्योग, भारी, सामान्य और हल्की अभियांत्रिकी, ऑटो विनिर्माताओं से बुनियादी ढांचे तक विभिन्न क्षेत्र शामिल हैं। कोविड -19 से उत्पन्न चुनौतियों की पृष्ठभूमि में सिडबी ने इन्हें ई-उद्यम संज्ञान की विशिष्ट श्रेणी में शामिल किया है।

SIDBI has woven its promotional engagements on four pillars :-SAMPARK – "Connect" the aspirations for inspirational journey, ; SAMWAD – "Dialogue" to strengthen relationship among various stakeholders; SURAKSHA – enabling security network around enterprises and SAMPRESHAN – "Constructive Engagements" with Policy Makers and MSE entrepreneurs. Since FY19 bank has organized 50 exposure visits for MSEs wherein over 1,200 MSEs have participated. In these visits MSEs have gained knowledge about good practices followed by

medium and large-scale enterprises in their respective sector and have aligned /attuned themselves to expectations of medium and large enterprises. The visits covered varied domains from handloom manufacturing hubs, textile industries, heavy engineering, general engineering, light engineering, auto manufacturers to infrastructure projects. In light of COVID-19 challenges, SIDBI has customized these into E-Udyam Sangyan.

सिड्बी के बारे में: 1990 में अपने गठन के बाद से सिडबी अपने एकीकृत, अभिनव और समावेशी दृष्टिकोण के माध्यम से समाज के विभिन्न स्तरों पर नागरिकों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। सिडबी ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से विभिन्न ऋण और विकासात्मक उपायों के माध्यम से सूक्ष्म और लघु उद्यमियों (एमएसई) के जीवन को छुआ है, चाहे ये पारंपरिक व घरेलू छोटे उद्यमी हों; उद्यमिता पिरामिड के निम्नतम स्तर के उद्यमी हों अथवा उच्चतम स्तर के ज्ञान-आधारित उद्यमी हों। सिडबी 2.0 अपने साथ समावेशी, अभिनव और प्रभाव-उन्मुख संबद्धताओं की दृष्टि को लेकर चल रहा है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट https://www.sidbi.in पर जाएँ।

About SIDBI: Since its formation in 1990, SIDBI has been impacting the lives of citizens across various strata of the society through its integrated, innovative and inclusive approach. Be it traditional, domestic small entrepreneurs, bottom-of-the-pyramid entrepreneurs, to high-end knowledge-based entrepreneurs, SIDBI has directly or indirectly touched the lives of Micro and Small Enterprises (MSEs) through various credit and developmental engagements. SIDBI 2.0 carries the vision of inclusive, innovative and impact-oriented engagements.

To know more, check out: https://www.sidbi.in